बुद्धिः सर्वार्थसाधिका

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» कहानी की भूमिका – शरीरबल से बुद्धिबल की श्रेष्ठता

» हाथियों की समस्या – सरोवर पर आना और बिलों को नष्ट करना

» खरगोश-राजा की योजना – गजराज से मिलना

» चंद्र-प्रतिबिंब दिखाकर गजराज को डराना

» कहानी की सीख – 'बुद्धिः सर्वार्थसाधिका'

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. पाठ की भूमिका की पंक्ति 'यदि प्रतिपक्षः अतीव प्रबलः, तर्हि बुद्धिबलेन वयं तं जेतुं शक्नुमः' का शब्दार्थ करो।

› 'यदि प्रतिपक्षः अतीव प्रबलः' = अगर विरोधी बहुत बलवान हो

› 'तर्हि' = तो

› 'बुद्धिबलेन वयं तं जेतुं शक्नुमः' = हम बुद्धि-बल से उसे जीत सकते हैं

उत्तर – अर्थ: 'अगर विरोधी बहुत बलवान हो, तो हम बुद्धि-बल से उसे जीत सकते हैं।'

उदाहरण 2. हाथियों की सरोवर पर आने की दिनचर्या (routine) को तीन चरणों में लिखो, पाठ के शब्दों के आधार पर।

› पहला: वे प्यासे होकर वन से सरोवर पर आते हैं ('पिपासाकुलं गजयूथं ... आगच्छति')

› दूसरा: वे जल पीते हैं, नहाते हैं, खेलते हैं ('जलं पीत्वा, स्नात्वा, क्रीडित्वा च')

› तीसरा: सूर्यास्त के समय वापस चले जाते हैं ('सूर्यास्तसमये निर्गच्छन्ति')

उत्तर – क्रम: आना (प्यास बुझाने) पानी पीना/नहाना/खेलना सूर्यास्त पर वापस जाना।

उदाहरण 3. खरगोश-राजा गजराज से मिलने क्यों गया, और उसने कौन-सा पहला दावा (claim) किया? शब्दार्थ सहित समझाओ।

› खरगोश-राजा हाथियों को सरोवर से दूर रखने के लिए एक योजना बनाकर गया

› उसका पहला दावा था: 'एषः सरोवरः चन्द्रस्य वाससथानम् अस्ति' – यह सरोवर चंद्रमा का निवास-स्थान है

› उसने यह भी कहा कि खरगोश चंद्रमा (शशांक) की प्रजा हैं, इसलिए उनका महत्व है

उत्तर – खरगोश-राजा अपनी प्रजा को बचाने के लिए गजराज से मिलने गया और दावा किया कि सरोवर चंद्रमा का निवास-स्थान है, जिसकी प्रजा खरगोश हैं।

उदाहरण 4. गजराज के डरने की पूरी घटना को तीन चरणों में लिखो – शक करना, प्रमाण माँगना, प्रतिबिंब देखकर डरना।

› पहला: गजराज शक करता है – 'कथम् अहं विश्वासं करोमि?'

› दूसरा: वह प्रमाण माँगता है – 'तत् प्रदर्शयतु' (वह दिखाओ)

› तीसरा: सरोवर पर जाकर चंद्र-प्रतिबिंब देखकर 'चकितः भवति' और 'भयेन नमति'

उत्तर – क्रम: शक करना प्रमाण माँगना चंद्र-प्रतिबिंब देखकर डर से नमन करना।

उदाहरण 5. इस कहानी के अंत और शीर्षक 'बुद्धिः सर्वार्थसाधिका' को जोड़कर बताओ कि यह शीर्षक कहानी पर कैसे लागू होता है।

› कहानी में समस्या थी: ताकतवर हाथी कमज़ोर खरगोशों को नुकसान पहुँचा रहे थे

› समाधान बुद्धि से निकला: खरगोश-राजा ने चंद्र-प्रतिबिंब की चतुराई अपनाई

› परिणाम: बिना लड़े हाथी हमेशा के लिए चले गए – यानी बुद्धि ने वह काम सिद्ध कर दिया जो ताकत नहीं कर सकती थी

उत्तर – 'बुद्धिः सर्वार्थसाधिका' शीर्षक सिद्ध होता है क्योंकि खरगोशों की बुद्धि ने वह काम (हाथियों को भगाना) बिना लड़ाई के सिद्ध कर दिया, जो शारीरिक बल से असंभव था।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• कहानी-आधारित पाठों में भूमिका (परिचय-अनुच्छेद) से ही मुख्य नैतिक शिक्षा (moral) का संकेत मिल जाता है – उसे ध्यान से पढ़कर याद रखो, निबंधात्मक सवालों में काम आता है।

• कहानी में किसी समस्या का वर्णन पूछे जाने पर 'कारण' और 'परिणाम' दोनों स्पष्ट लिखो – सिर्फ समस्या बताना काफी नहीं, उसका असर भी बताना ज़रूरी है।

• कहानी में पात्रों के संवाद (जैसे खरगोश-राजा का दावा) को क्रम से याद रखो – परीक्षा में अक्सर 'किसने क्या कहा' पूछा जाता है।

• 'चतुराई का उदाहरण' पूछे जाने वाले सवालों में इस पूरी घटना (शक प्रमाण माँगना प्रतिबिंब दिखाना डरना) को क्रम से लिखो, यह सबसे स्पष्ट उदाहरण है।

• कहानी की नैतिक शिक्षा (moral) पूछे जाने पर हमेशा शीर्षक/अंतिम वाक्य ('बुद्धिः सर्वार्थसाधिका') को उद्धृत करके अपने शब्दों में भी भावार्थ लिखो – यह पूर्ण उत्तर माना जाता है।

एक नज़र में रिवीज़न

› पाठ की भूमिका: 'यदि प्रतिपक्षः प्रबलः, तर्हि बुद्धिबलेन जेतुं शक्नुमः' – बुद्धि-बल शरीर-बल से श्रेष्ठ है।

› हाथी सरोवर पर पानी पीने आते थे; उनके घूमने से खरगोशों के बिल नष्ट होते थे, कई खरगोश घायल/मृत हो जाते थे।

› खरगोश-राजा अकेले गजराज से मिलने गया और दावा किया कि सरोवर चंद्रमा (शशांक) का निवास-स्थान है।

› गजराज ने पानी में चंद्र-प्रतिबिंब देखकर डर से चंद्रमा को नमन किया और सरोवर छोड़ दिया।

› 'बुद्धिः सर्वार्थसाधिका' = बुद्धि सब कार्य सिद्ध करने वाली है – कहानी का मुख्य संदेश।